

| नाम संख्या | श्लोक |
|---------------------------------|-------|
| शोधितस्य ५ निर्गितादि ७३ | |
| अभिमुखस्य २ सम्मुखीनादि ७३ | |
| पराङ्मुखस्य २ पराचीनादि ७३ | |
| मुखस्य २६ मुख्यादि ७४ | |
| अतिप्रधानस्य ४ श्रेयसादि ७५ | |
| प्रशस्यार्थस्य १२ व्याघ्रादि ७६ | |
| अप्रधानस्य ४ गुणादि ७६ | |
| अधमस्य १७ अधमादि ७७ | |
| आसेचनकस्य १ तदिति ७७ | |
| सुन्दरस्य २७ चार्वादि ८० | |
| कलस्य २ व्युष्ट्यादि ८२ | |
| असारस्य २ असारदि ८२ | |
| मूयस्य ५ मूयादि ८२ | |
| निविडस्य १० निविडादि ८२ | |
| विरलस्य ३ विरलादि ८३ | |
| नवीनस्य ८ नवादि ८४ | |
| पुरातनस्य ७ जीर्णादि ८४ | |
| मूर्तिमतः २ मूर्तादि ८५ | |
| उच्चनीचस्य १ उच्चावचेति ८५ | |
| अधिकस्य २ अनिरितादि ८५ | |

| नाम संख्या | श्लोक | दे० सू० |
|----------------------------|-------|---------|
| समीपस्य २० पार्श्वदि ८६ | | |
| अनंतरस्य ४ अव्यवहितादि ८६ | | |
| अंतिकतमस्य २ नेदिष्टादि ८८ | | |
| दूरस्य ३ विप्रकृष्टादि ८८ | | |
| अतिदूरस्य ३ अतिदूरादि ८८ | | |
| नित्यस्य ५ सनातनादि ८८ | | |
| अतिस्थिरस्य ४ स्थेयादि ८९ | | |
| एकरूपस्थिरस्य १ तदिति ८९ | | |
| स्थावरस्य १ स्थावरमिति ९० | | |
| जङ्गमस्य ७ जङ्गमादि ९० | | |
| चंचलस्य १२ चंचलादि ९० | | |
| वहजोः ३ वहज्वादि ९२ | | |
| अवनतस्य ३ अवाग्रादि ९२ | | |
| कुटिलस्य १२ कुचिनादि ९२ | | |
| अनुगस्य ४ अनुगादि ९३ | | |
| एकाकिनः ३ एकाक्यादि ९३ | | |
| एकान्तस्य ८ एकान्तादि ९४ | | |
| आद्यस्य ७ आद्यादि ९४ | | |
| अंत्यस्य ७ अन्तिमादि ९५ | | |
| मध्यमस्य ४ मध्यमादि ९६ | | |